आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–10 जून 2025 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पछिला इग्यारह बरिस में भारत क रक्षा क्षेत्र में भइल उल्लेखनीय बदलाव पर रोसनी डरले हवें। एगो सोसल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री कहले हवें कि रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण अउर आत्मनिरभरता हासिल कइले पर धियान दीहल गइल हौ। उहां के कहलीं कि ई देखल उत्साहजनक हौ कि कइसे भारत क लोगि देस के मजबूत कइले क साझा संकल्प के साथे एकजुट भइल हवें।

****

देस में पछिला एक दसक के दौरान सेवा, सुसासन अउर गरीब कल्याण नीतियन में उल्लेखनीय प्रगति भइल हौ। आकाशवाणी समाचार पछिला इग्यारह बरिस में खास क्षेत्रन में सरकार के कोसिसन अउर उपलब्धियन पर एगो खास श्रृंखला प्रसारित कइ रहल हौ। येह कड़ी में आजु हम पर्यावरण संरक्षण के दिसा में कइल गइल कोसिसन क जनकारी दे रहल हईं।

नदियों को पुनर्जीवित करने से लेकर पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने और हरित बुनियादी ढाँचा बनाने तक देश ने एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। नमामि गंगे मिशन दुनिया के सबसे बड़े नदी कायाकल्प कार्यक्रमों में से एक है। इसने जल की गुणवत्ता में सुधार किया है, जैव विविधता को बढ़ाया है और गंगा के पुनरुद्धार में स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन और गोबरधन योजना ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बदल दिया है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियानों ने नागरिकों को पर्यावरणीय कार्रवाई के लिए प्रेरित किया है। देशभर में एक सौ बयालिस करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो कार्बन अवशोषण और पारिस्थितिक बहाली में योगदान करते हैं। भारत ने वन्यजीव संरक्षण में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रोजेक्ट चीता, प्रोजेक्ट लॉयन और विस्तारित प्रोजेक्ट टाइगर जैसी पहल आवास विकास और प्रजातियों की बहाली पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। भारत में अब तीन हजार छह 82 बाघ हैं, जो दुनिया की जंगली बाघ आबादी का 75 प्रतिशत से अधिक है। भारत में वर्तमान में 91 रामसर स्थल हैं, जो एशिया में सबसे अधिक है। इस दौरान तटीय और आर्द्रभूमि संरक्षण ने भी गति पकड़ी है। 13 भारतीय समुद्र तटों ने प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग प्रमाणन अर्जित किया है, जबकि अमृत धरोहर और मिष्टी जैसी योजनाएं आर्द्रभूमि और मैंग्रोव के संरक्षण को आगे बढ़ा रही हैं। विष्णु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से वैष्णवी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन–एनडीए सरकार क इग्यारह बरिस पूरा भइले के मौका पर भारतीय जनता पारटी क प्रदेस मुख्यालय में आयोजित भइल परदरसनी क आजु अवलोकन कइलें। येह दौरान पत्रकार वार्ता में उहां के कहलीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंच प्रण अउर इग्यारह संकल्प हर भारतवासी के यादि करवले रहलें। सरकार विकसित भारत क जवन नेइ धइले हवें ऊ येही पंच प्रण के धियान में रखि के रक्खल गइल हौ। प्रधानमंत्री के अगुआई में हम सब एगो नया भारत क दरसन कइले हईं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु बहराइच जिला में महाराजा सुहेलदेव के विजय उत्सव में हिस्सा लिहलें। येह मौका पर उहां के महाराजा सुहेलदेव क स्मारक अउर भव्य मुरती क अनावरण कइलीं। मुख्यमंत्री जिला के एक हजार दुइ सौ तैंतालीस करोड़ रूपिया के लागति क लोक कल्याणकारी परियोजनन क सौगातो दिहलें। येह मौका पर आयोजित जनसभा के सम्बोधित करत उहां के लखनऊ में महाराजा बिजली पासी क भव्य स्मारक बनवले क घोसणा कइलीं। मुख्यमंत्री महाराजा सुहेलदेव क व्यक्तित्व अउर यसगाथा क चरचा करत कहलें कि बहराइच क कउनों आयोजन केहू बिदेसी आक्रांता के नांव पर नाहीं होखे के चाही। ओइजा क आयोजन महाराजा सुहेलदेव, बालार्क ऋषि अउर मां पाटेश्वरी के नांवे पर होखे के चाही।

****

अंतरिक्ष अनुसंधिक प्रयोग बदे एक्सिओम स्पेस कम्पनी के चउथा मिसन क रवानगी बिहने तक खातिर स्थगित कइ दीहल गइल हौ। खराब मौसम के नाते ई फैसिला लिहल गइल हौ। येह मिसन के लखनऊ के शुभांशु शुक्ला लीड कइ रहल हवें। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन क अध्यक्ष वी. नारायणन बतवलें कि अब एक्सिओम चार मिशन भारतीय समय के हिसाबि से बिहने संझा साढ़े पांच बजे केप कैनेवरल क कैनेडी स्पेस सेंटर से भेजल जाई। एगो रिपोर्ट–

अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेस एक्स ड्रैगन, कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉच पैड 39 से रवाना होगा। इस ऐतिहासिक मिशन में भारत के शुभांशु शुक्ला के अतिरिक्त अमरीका, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री 14 दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र में रहेंगे। शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस से जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि वे इस मिशन में शामिल होकर बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

****

जेठ महिन्ना क पचवां अउर आखिरी बड़का मंगर पर पूरा प्रदेस में पूजा–अर्चना अउर भण्डारा क आयोजन कइल जा रहल हौ। येह मौका पर गोरखपुर क पुरान मानसरोवर मंदिर पर हनुमानजी क षोडशोपचार पूजन कइल गइल।

****